नवदृष्टि रिसर्च जर्नल

ISSN 2319-8303

वैश्वीकरण व पर्यावरण 01-02
डा० हरिशंकर यादव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर,
समाजशास्त्र विभाग, डी०एस०एन० कालेज, उन्नाव

सोशल मिडिया और सोसाइटी 03-04
अराधना श्रीवास्तव, संगीत,पोस्ट लेक्चरर
सी.आर.डी. पी.जी. कालेज, गोरखपुर

बालिका भ्रूण हत्या – एक विकृत सोच 05-07
अपराजिता पाण्डेय, शोध छात्रा, राजनीति विज्ञान,लाडनूं (राजस्थान)

राजीव गाँधी राष्ट्रीय पेय जल मिशन : जनपद अलीगढ़ के सन्दर्भ में 8-11
डा० धर्मेन्द्र सिंह, विषय–भूगोल
र्म समाज महाविद्यालय, अलीगढ़ (उ०प्र०)

''संयुक्त एवं एकल परिवार के उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन 12-16
डॉ. आभा सिंह, सहायक आचार्य
शिक्षा विभाग, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में योग शिक्षा एवं चरित्र निर्माण 17-20
डॉ. अशोक भास्कर, सहायक आचार्य,योग एवं जीवन विज्ञान विभाग, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं (राज.)

ROLE OF LITERATURE IN LANGUAGE LEARNING 21-23
Dr. Ashok Kumar Pandey, TGT (English)
GBSSS – No 2, C Block, Janakpuri,New Delhi

"Virtual Learning and Smart Classes in ICT Pedagogy in Digital Indian Platform" 24-29
Dr. Bhabagrahi Pradhan, Asstt. Prof. of Education, Dept. of Education,Jain VishvaBharati Institute,(Deemed University),Ladnun, Rajasthan

भारत में दल–बदल विरोधी कानून एवं भारतीय संविधान की दसवी अनुसूची 30-33
डॉ० अंजलि पाण्डेय, राजनीति विज्ञान विभाग
किशनी महाविद्यालय किशनी, मैनपुरी

दक्षिण एशिया में भारत की विदेश नीति : सहयोग एवं सम्भावनाएँ 34-36
अशोक कुमार वर्मा, शोध छात्र, रक्षा एवं स्त्रातेजित अध्ययन विभाग,इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

दलित आन्दोलन : नेतृत्वहीनता का संकट 37-38
डॉ० रूपम मिश्रा

वैश्वीकरण और शिक्षा की चुनौतियाँ 3
डॉ. सरोज राय, सहायक आचार्या, शिक्षा विभाग
जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूँ (राज.)

आधुनिक भारत के निर्माण में दलित महिलाओं का अवदान 4
डॉ० विवेक कुमार, पूर्व अतिथि प्रवक्ता, ईश्वर शरण डिग्री कालेज इलाहाबाद, इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद।

मुकुलम् में मानवाधिकारों की सुरक्षा के उपाय 4
डा. हेमलता जोशी, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं, (राज.)

भारत में जल प्रबन्धन मुद्दे चुनौतियां और उपाय 5
जितेन्द्र प्रसाद, जे०आर०एफ० भूगोल विभाग,
दी०द०उ० गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

Role of Skill Development in Today's Education Ecosystem: Trends and Issue 5
Ms Manisha Singh, Assist. Prof. Modern College of Professional Studies, Mohan Nagar GZB

प्राचीन भारत में देवदासी प्रथा 6
मनोज सिंह यादव,कनिष्ठ शोध अध्येता, प्राचीन इतिहास,
संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय,इलाहाबाद

वेदों में ऋग्वेद का महात्म्य 7
बीना यादव, शोधच्छात्रा, संस्कृत–विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

योग द्वारा रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास
डॉ. निर्मला भास्कर, सहायक आचार्य, योग विभाग
महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक (रोहतक)

मानवाधिकारों के परिप्रेक्ष्य में सूचना का अधिकार
डॉ० प्रदीप कुमार जायसवाल

भारतीय समाज में असंगठित अर्थव्यवस्था, समस्याएं एवं कानूनी उपचार
पुष्पा मिश्रा, सहायक आचार्य, समाजकार्य विभाग,
जैन विश्वभारती, संस्थान लाडनूं (राज.)

भास के प्रमुख रूपकों में बिम्ब–योजना
शिखा यादव, शोधच्छात्रा डॉ० राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद

THE COGNITION OF HUNGER AND PSYCHOLOGY OF UNUSUAL EATING BEHAVIOUR AMONG URBAN GIRLS
Shruti kumari, Research scholar, UGC-NET-JRF,
P.G. Dept. of H.Sc- F&N T.M.B.U., Bhagalpur

Scanned by CamScanner

ISSN 2319-8303

"संयुक्त एवं एकल परिवार के उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन"

डॉ. आभा सिंह
सहायक आचार्य
शिक्षा विभाग
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

1 प्रस्तावना

परिवार का अर्थ स्पष्ट करते हुए मैकाइवर और पेज ने लिखा है "परिवार एक ऐसा समूह है जो सुनिश्चित और स्थायी यौन–सम्बन्धों द्वारा परिभाषित किया जाता है, जो बच्चों के प्रजनन एवं पालन–पोषण के लिए अवसर प्रदान करता है। इसमें समपार्श्विक अथवा सहायक सम्बन्धी भी हो सकते हैं, लेकिन इसका निर्माण पति–पत्नी के एक साथ रहने और बच्चों के साथ मिलकर एक विशिष्ट इकाई बनने से होता है।"

बर्गीस और लॉक ने लिखा है "एक परिवार उन व्यक्तियों का समूह है जो विवाह, रक्त अथवा गोद लेने के सम्बन्धों में एक–दूसरे से बन्धे रहते हैं, जो एक गृहस्थी का निर्माण करते हैं जो पति–पत्नी, माता–पिता, पुत्र–पुत्री और भाई–बहिन की निजी सामाजिक भूमिका में, एक–दूसरे के साथ अन्तःक्रिया और अन्तःसंचार करते रहते हैं और जो एक सामान्य संस्कृति का निर्माण करते हैं तथा उसे बनाए रखते हैं।"

सभी छोटे–बड़े संगठनों में परिवार सबसे अधिक सार्वभौम है। यह सभी समाजों और सभी कालों में पाया जाता रहा है। प्रत्येक मनुष्य अपने जीवन में कभी न कभी, किसी न किसी परिवार का सदस्य अवश्य रहा है और भविष्य में भी रहेगा। सामाजिक विकास के प्रत्येक स्तर पर परिवार पाया जाता है।

प्रत्येक प्रकार के समाज में चाहे वह सभ्य हो अथवा असभ्य, आदिम हो अथवा आधुनिक, ग्रामीण हो अथवा नगरीय परिवार का अस्तित्व सदैव रहा है।

परिवार के सदस्य भावात्मक आधार पर एक–दूसरे से घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित रहते हैं। पति–पत्नी के बीच घनिष्ठ प्रेम, माता–पिता में अपनी संतान के प्रति वात्सल्य और त्याग, संतान में अपने माता–पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति प्रेम, श्रद्धा और आदर के भाव पाये जाते हैं।

परिवार के सदस्यों में उत्तरदायित्व की असीमित भावना पाई जाती है। संकट के समय व्यक्ति अपने समाज और राष्ट्र हित के लिए त्याग करता है बलिदान की ओर अग्रसर होता है। यह बलिदान, त्याग का गुण व्यक्ति में परिवार से ही आता है।

परिवार व्यक्ति का प्रथम सामाजिक पर्यावरण है। परिवार का बच्चों के जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यह बालकों के चरित्र निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उनके जीवन को संस्कारित करता है। उन पर अमिट छाप डालता है और उनके व्यक्तित्व के निर्माण में योग देता है। परिवार का स्वरूप भिन्न–भिन्न प्रकार का होता है जिसमें हमने एकल परिवार तथा संयुक्त परिवार को मुख्य माना है।

परिवार का शिक्षा में भी अपना विशेष योगदान है। परिवार बालक की प्रथम पाठशाला है। भारतीय परिवारों में सदस्यों के पारस्परिक सम्बन्धों का बालकों के व्यक्तित्व, शिक्षा, भावनाओं तथा शिक्षा उपलब्धियों पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है।

अति प्राचीन काल में मनुष्य पशुवत जीवन जीता था तब उसे जीवन के लिए संघर्ष करना पड़ता था। उस समय शक्तिशाली व्यक्ति ही जीवित रह सकता था। अतः मनुष्य को अपना बल बढ़ाना होता था। तब संभवतः संघर्ष और शक्ति ये ही उसके जीवन मूल्य रहे होंगे। धीरे–धीरे मनुष्य प्राकृतिक जीवन से सामाजिक जीवन की ओर अग्रसर हुआ। ऐसे सामाजिक जीवन की और जिसमें निर्बल लोगों का जीवन भी सुरक्षित हुआ। इस प्रेम, सहानुभूति, सहयोग आदि को हम मूलभूत सामाजिक नियम, आदर्श, सिद्धान्त, व्यवहार, मानदण्ड अथवा मूल्यों की संज्ञा दे सकते हैं पर जैसे–जैसे हमने अपना विकास किया हमारे समाज का रूप संश्लिष्ट होता चला गया। इसके विभिन्न आयाम विकसित हुए जैसे सामाजिक, राजनैतिक,

Scanned by CamScanner